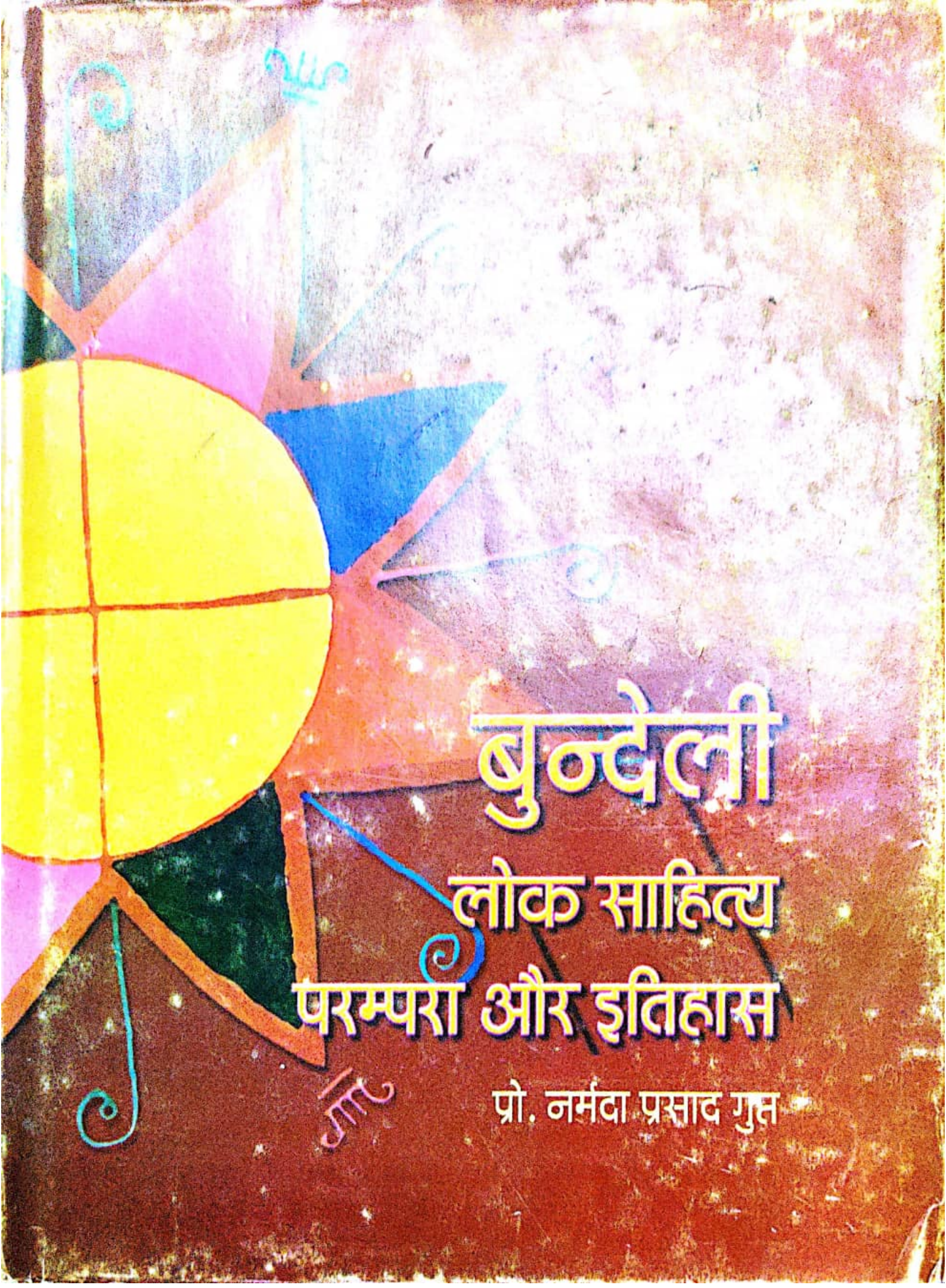

Scanned with OKEN Scanner

प्रकाशक	:	मध्यप्रदेश आदिवासी लोक कला परिषद्, भोपाल
प्रकाशन वर्ष	:	2001 प्रथम संस्करण
सर्वाधिकार	:	मध्यप्रदेश आदिवासी लोक कला परिषद्
		मुख्य रमूजी संस्कृति भवन, बाणगंगा, भोपाल, मध्यप्रदेश - 462003
शब्दांकन	:	मध्यप्रदेश आदिवासी लोक कला परिषद्, भोपाल
आवरण	:	चौक-बुन्देलखण्ड-श्रीमती अरूणा चौबे, सागर
मूल्य	:	300/- (तीन सौ रुपये)

- पुस्तक से संबंधित सभी विवादों का न्यायालयीन कार्यक्षेत्र भोपाल होगा।
- पुस्तक में प्रकाशित समस्त सामग्री लेखक की है अनावश्यक नहीं कि प्रकाशक इससे सहमत हो।

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रम

भूमि – 9 - 34

बुन्देलखंड की सीमा और क्षेत्र / 10
बुन्देलखंड की वाचिक परम्परा / 18
काल–निर्धारण के आधार / 27
लोकसाहित्य का इतिहास–लेखन / 32
लोकसाहित्य का वर्गीकरण / 34

दृष्टि–35 - 68

लोकसाहित्य का लोकशास्त्र / 36
लोकसाहित्य और इतिहास / 44
लोकसाहित्य और लोकसंस्कृति / 48
लोकसाहित्य और लोककला / 50
लोकसाहित्य और राष्ट्रीय साहित्य / 52
लोकसाहित्य और शिष्ट साहित्य / 55
लोकसाहित्य का योगदान / 57
वर्तमान सन्दर्भों में लोकसाहित्य की जरूरत / 65

लोककाव्य 69 - 398

उद्भव–काल का निर्धारण / 70
प्रभावशाली परिस्थितियाँ / 71
आदिकालीन लोककाव्य / 86
ऐतिहासिकता / 153
मध्यकालीन लोककाव्य / 193
पूर्व मध्यकालीन लोककाव्य / 214
उत्तर मध्यकालीन लोककाव्य / 281
पुनरूत्थानकालीन लोककाव्य / 330
आधुनिक लोककाव्य / 362

लोककथा / 399 - 424

लोककथा परम्परा / 400
लोकव्रत कथा परम्परा / 419

लोकनाट्य / 425 - 459

लोकनाट्य परम्परा / 426
रामलीला परम्परा और विकास / 444
लोकनाट्य स्वाँग / 452

Scanned with OKEN Scanner

मध्यप्रदेश आदिवासी
लोक कला परिषद
भोपाल का प्रकाशन